PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 28 शुक्रवार, अगस्त 7, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

अमरावती में 47 मंजिला ट्विन टावर्स को आंध्र प्रदेश कैबिनेट की मंजूरी

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 6 अगस्तः मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी मंत्री कोलुसु पार्थसारथी ने मीडिया को दी।

मंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने एदुला मुस्तूरु में 19.55 एकड़ भूमि आंध्र प्रदेश इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (APIIC) को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है। इसी प्रकार थिम्मसमुद्रम में 13.45 एकड़ भूमि कैपिटल रीजन अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (CUDA) को सौंपने को भी स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने बताया कि नए जिलों के अनुरूप शहरी विकास प्राधिकरणों (UDA) के पुनर्गठन को मंजूरी दी गई है। इसके तहत न्च। की संख्या 21 से बढ़ाकर 23 कर दी जाएगी। साथ ही कंदलेरू जलाशय से औद्योगिक क्लस्टर तक जल आपूर्ति के प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की है। मंत्री कोलुसु पार्थसारथी ने बताया कि विजयवाड़ा ऑटोनगर कॉलोनी के निवासियों के अनडिवाइडेड शेयर (न्वै) अधिकारों को नियमित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा 400 आवासीय इकाइयों से जुड़े भूमि विवाद का समाधान भी कैबिनेट ने कर दिया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्यभर में लंबित भूमि विवादों के शीघ्र निपटारे के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। कैबिनेट ने अमरावती 'आई' परियोजना के संशोधित टेंडरों को मंजूरी दी है तथा इस प्रतिष्ठित ऊंची इमारत के निर्माण के लिए विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। व्यापार सुगमता (Ease of Doing Business) को बढ़ावा देने के लिए ओम्निबस अधिनियम–2026 को भी मंजूरी दी गई है। मंत्री ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य निवेश में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

कुप्पम ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण पर विशेष मुआवजा देने का निर्णय लिया गया है। जिन किसानों के पास डी–फॉर्म दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें घ्12.44 लाख प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाएगा। कैबिनेट ने अमरावती में 47 मंजिला ट्विन टावर्स के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। इन ट्विन टावर्स में कॉर्पोरेट कंपनियों और क्वांटम प्रौद्योगिकी से जुड़ी संस्थाओं को स्थान देने का निर्णय लिया गया है।

इसके अलावा आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय भवन के पुनः डिजाइन (री–डिजाइन) के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है।

श्रीकालहस्ती व्यासाश्रम विवाद पर आंध्र प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

(पेन पॉवर न्यूज):
तिरुपति, 6 अगस्तः श्रीकालहस्ती स्थित व्यासाश्रम विवाद को लेकर आंध्र प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने स्वयं इस मामले में हस्तक्षेप किया और राज्यभर में मौजूद मलयाल स्वामी के लाखों पूर्व विद्यार्थियों की भावनाओं को ध्यान में रखा।

भाजपा श्रीकालहस्ती प्रभारी कोला आनंद की शिकायत के आधार पर मुख्यमंत्री ने तिरुपति जिला कलेक्टर वेंकटेश्वरलु और जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुब्बारायुडु को तत्काल जांच कर आश्रम को उसके पुराने गौरव की ओर वापस ले जाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद गुरुवार को कलेक्ट्रेट में पूर्व विद्यार्थियों और विभिन्न पीठों के पीठाधीशों के साथ बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री की पहल का मलयाल स्वामी के पूर्व विद्यार्थियों तथा विभिन्न धार्मिक पीठों के संतों ने स्वागत किया।

शताब्दी समारोह स्थगित
जिला कलेक्टर वेंकटेश्वरलु ने घोषणा की कि 27 अगस्त को प्रस्तावित शताब्दी समारोह को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आश्रम देवादाय (एंडोमेंट्स) विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है।

उन्होंने कहा कि धारा 20–सी के अंतर्गत आने वाली आश्रम की संपत्तियों की कथित अवैध बिक्री के मामलों में कार्रवाई की जाएगी। मलयाल स्वामी की वसीयत में उल्लिखित महत्वपूर्ण प्रावधानों को भी लागू किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि आश्रम में प्रतिदिन होने वाले धार्मिक और प्रशासनिक कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए विकास ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा।

श्रीकालहस्ती विधायक सुदीर रेड्डी ने कहा कि यदि अमरनाथ रेड्डी के कारण आश्रम की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है तो उन्हें तत्काल बाहर किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यरपेडु आश्रम में बंगला बनाकर अमरनाथ रेड्डी अनियमित गतिविधियों में शामिल हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस पूरे मामले से देवादाय मंत्री को अवगत करा दिया गया है।

आश्रम में अनियमितताओं पर होगी कार्रवाईः एसपी सुब्बारायुडु
जिला एसपी सुब्बारायुडु ने कहा कि मलयाल स्वामी की वसीयत के अनुसार पूर्व विद्यार्थियों से गठित विकास ट्रस्ट के माध्यम से आश्रम का संचालन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा श्रीकालहस्ती प्रभारी कोला आनंद ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा इस विषय के लिए अपना महत्वपूर्ण समय देना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने बताया कि आश्रम में हो रही सभी कथित अनियमितताओं की जानकारी मुख्यमंत्री को दी गई है और उन्होंने इस विषय पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

कोला आनंद ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री की पहल से व्यासाश्रम को उसका पुराना गौरव वापस मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों से लोगों में यह भरोसा पैदा हुआ है कि आश्रम में कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश बनकर कॉल, ठगों ने बुजुर्ग महिला से 1.43 करोड़ ठगे

कृष्णा जिला, 6 अगस्तः मछलीपट्टनम में साइबर ठगों ने एक बार फिर बड़ी वारदात को अंजाम दिया। ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस अधिकारी बताकर एक बुजुर्ग महिला को व्हाट्सएप वीडियो कॉल किया। पिछले दो महीनों से वे लगातार महिला को यह कहकर डराते रहे कि वह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फँसी हुई हैं। ठगों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के नाम पर भी वीडियो कॉल कर महिला को विश्वास दिलाया कि अदालत उनके बैंक खातों और संपत्तियों को जब्त कर देगी। उनके झांसे में आकर महिला ने तीन किश्तों में RTGS के माध्यम से अपने बैंक खाते से 1.43 करोड़ ट्रांसफर कर दिए।

'जगन एंड कंपनी को नियंत्रित करने के लिए मुझे दो मिनट काफी हैं': मुख्यमंत्री

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 6 अगस्तः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में गुरुवार को राज्य सचिवालय में मंत्रिमंडल की बैठक हुई। करीब साढ़े तीन घंटे चली इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर मंत्रियों को दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने मंत्रियों और एनडीए गठबंधन के नेताओं से स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहने को भी कहा।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि ''जगन एंड कंपनी को नियंत्रित करने के लिए उन्हें केवल दो मिनट ही काफी हैं,'' लेकिन वे राजनीतिक दल का मुखौटा पहनकर अपराध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीएससी भर्ती को लेकर पैदा किए जा रहे विवाद को सभी देख रहे हैं और सरकार पहले ही जनता को इससे जुड़े सभी तथ्यों की जानकारी दे चुकी है।

उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (ल्ब्ब्) के नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें अदालतों से भी फटकार मिल चुकी है, फिर भी वे डीएससी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि जब सरकार पूरी प्रक्रिया स्पष्ट कर चुकी है, तब अब विरोध प्रदर्शन क्यों किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी नेताओं को आरक्षण व्यवस्था की भी सही जानकारी नहीं है। उन्होंने मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे जनता को डीएससी में क्षैतिज (भ्वतप्रवदजंस) और ऊर्ध्वाधर (टमतजपबंस) आरक्षण के बारे में विस्तार से समझाएं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वेलिगोंडा परियोजना का उद्घाटन इस महीने के अंत तक किया जाएगा और प्रकाशम जिले के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने मंत्रियों से एल नीनो के संभावित प्रभावों के बारे में भी लोगों को जागरूक करने को कहा और बताया कि सूखे जैसी स्थिति के बावजूद सरकार पेयजल उपलब्ध करा रही है।

भोगापुरम हवाई अड्डे के उद्घाटन

का उल्लेख करते हुए चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि थिंसा जनजातीय नृत्य ने पहली बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि इस हवाई अड्डे के उद्घाटन से उत्तर आंध्र के लोगों में विशेष भावनात्मक जुड़ाव पैदा हुआ है और राज्य की जनता सरकार के कार्यों से संतुष्ट है। उन्होंने यह भी बताया कि हवाई अड्डे की लैंडिंग समुद्र की ओर से होने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि स्वतंत्रता दिवस के भाषणों में 'स्वर्णांध्र और विकसित भारत' का उल्लेख अवश्य करें।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि क्वांटम वैली का शुभारंभ जनवरी में किया जाएगा।

'दिशा' कभी कानून नहीं बन सका
चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 'दिशा' विधेयक कभी कानून का रूप नहीं ले सका। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने बिना कानून लागू हुए ही दिशा पुलिस स्टेशन और दिशा वाहनों का प्रचार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस विधेयक को मंजूरी नहीं दी और वापस भेज दिया था।

'देवरापल्ली में वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने किसानों की फसलें नष्ट कीं'
मुख्यमंत्री ने कहा कि वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को देवरापल्ली का दौरा किया, जिसके दौरान वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने किसानों के खेतों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक महिला छोटे व्यापारी की आजीविका प्रभावित की गई और हिंदू देवी–देवताओं की तस्वीरें भी तोड़ी गईं। उन्होंने यह भी कहा कि तंबाकू की गांठों को कुचलकर नष्ट किया गया और इसे सांत्वना यात्रा का नाम दिया गया।

उन्होंने कहा कि कई किसानों ने उन्हें संदेश भेजकर बताया कि उनकी फसलें बर्बाद हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अब स्थिति ऐसी हो गई है कि जगन मोहन रेड्डी की सांत्वना यात्राओं के नाम से ही लोग डरने लगे हैं।

'राजनीतिक दलों की आड़ में अपराधी सक्रिय हैं'
चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दलों की आड़ में अपराधी तैयार किए जा रहे हैं और शांतिपूर्ण जिलों में कानून–व्यवस्था की समस्या पैदा की जा रही है। उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी की सभाओं में लोगों को शराब पिलाकर लाया जाता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ''गांजा बैच'' को 'जेन जी' कहने का काम केवल वाईएसआरसीपी ही कर सकती है।

उन्होंने मंत्रियों को निर्देश दिया कि तंबाकू किसानों के लिए एनडीए सरकार द्वारा किए जा रहे कल्याणकारी कार्यों को जनता तक पहुंचाया जाए। उन्होंने बताया कि एक्वा जोन और नॉन–एक्वा जोन के भेदभाव के बिना एक्वा किसानों को घ्1,100 करोड़ की बिजली सब्सिडी दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने एक्वा फीड से जुड़े निर्यात व्यय में 50 प्रतिशत तक कमी लाने के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख दिखाया है।

सांत्वना यात्राओं के नाम पर जगन अराजकता और हिंसा फैला रहे हैं: गृह मंत्री वंगलपुडी अनिता

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 6 अगस्तः आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलपुडी अनिता ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (ल्ब्ब्) के अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वे 2024 विधानसभा चुनाव में हार के बाद सांत्वना यात्राओं के नाम पर राज्य में अराजकता और हिंसा फैला रहे हैं।

मीडिया को संबोधित करते हुए वंगलपुडी अनिता ने जगन मोहन रेड्डी की यात्राओं के दौरान हुई कथित घटनाओं पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने उनकी यात्राओं के दौरान हुई कथित हिंसा और अव्यवस्था के वीडियो भी दिखाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि ''कुल्हाड़ी पार्टी के अध्यक्ष'' अपने राजनीतिक हितों के लिए गरीब लोगों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में जगन मोहन रेड्डी की यात्राओं के दौरान तीन लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे सांत्वना यात्राओं के नाम पर हिंसा और अराजकता फैला रहे हैं तथा उनकी ''दिखावटी संवेदना यात्राएं'' आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि जनता अच्छे और बुरे नेतृत्व के बीच अंतर समझती है और पिछले दो वर्षों में उसने दो अलग–अलग प्रकार के नेतृत्व को देखा है।

वंगलपुडी अनिता ने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे प्रतिदिन लगभग 18 घंटे राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से राज्य में उद्योग और निवेश आ रहे हैं तथा केंद्र सरकार भी आंध्र प्रदेश के विकास में पूरा सहयोग दे रही है।

इसके विपरीत उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी जगन मोहन रेड्डी बाहर निकलते हैं, तब हिंसा और अराजकता का माहौल बन जाता है। उन्होंने कहा कि उनकी यात्राओं के दौरान महिलाओं की सुरक्षा प्रभावित होती है, आम लोग अपना व्यापार नहीं कर पाते और पुलिसकर्मियों को भी धमकाकर ब्लैकमेल किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश में हो रहे विकास को देखकर जगन मोहन रेड्डी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं और किसी न किसी बहाने जनता को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए यह देखें कि उनके आसपास किस प्रकार के नेता हैं।

वंगलपुडी अनिता ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष को धरना और प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन उसे जिम्मेदारी के साथ सवाल उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार हर जिम्मेदार प्रश्न का उत्तर देने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या जगन मोहन रेड्डी जनता के हित में कोई एक भी कार्य कर रहे हैं।

दिशा विधेयक वापस लेने के

मुद्दे पर बोलते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान बिना किसी दिशा कानून के ही दिशा पुलिस थाने स्थापित किए गए और पुलिस को जिम्मेदारियां दी गईं।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल में पुलिस को फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण उपकरण क्यों उपलब्ध नहीं कराए गए।

उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी की यात्राओं में कितने लोग आएंगे और बैरिकेडिंग कितनी ऊंची होगी, इसका निर्णय पुलिस ही करती है। उन्होंने कहा कि कानून उनका पालन करने वालों पर ही लागू होते हैं और सवाल किया कि वाईएसआरसीपी नेता स्वयं नियमों का पालन क्यों नहीं करते।

उन्होंने आरोप लगाया कि जगन मोहन रेड्डी केवल अराजकता फैलाने के उद्देश्य से बाहर निकलते हैं।

विशाखापत्तनम से नई ट्रेनों का प्रस्ताव भेजा गया : दक्षिण तटीय रेलवे के महाप्रबंधक संदीप माथुर

विशाखापत्तनम, 6 अगस्तः दक्षिण तटीय रेलवे के महाप्रबंधक संदीप माथुर ने कहा कि अगले वर्ष होने वाले गोदावरी पुष्करालु के लिए रेलवे पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि इस अवसर को ध्यान में रखते हुए राजमहेंद्रवरम (राजामुंद्री), गोदावरी और कोव्वूर रेलवे स्टेशनों का विकास किया जा रहा है।

गुरुवार को विशाखापत्तनम में मीडिया से बातचीत करते हुए संदीप माथुर ने बताया कि विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसके तहत 6 नए रेलवे प्लेटफॉर्म और 6 नई रेलवे लाइनें बनाई जाएंगी। साथ ही अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिग्नलिंग प्रणाली भी स्थापित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम से कई नई ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव पहले ही रेलवे बोर्ड को भेजा जा चुका है। बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद ये ट्रेनें नियमित समय–सारिणी के साथ चलाई जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि बल्लारी की दिशा में ट्रेन सेवाएं बढ़ाई जा रही हैं, जबकि तिरुपति मार्ग पर यात्रियों की संख्या लगातार अधिक बनी हुई है।

संदीप माथुर ने बताया कि विजयवाड़ा में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है तथा अधिक ट्रेनों में सुरक्षा के लिए कवच (झंअंबी) प्रणाली लगाई जा रही है।

कोटिपल्लीदुनरसापुरम रेलवे लाइन के संबंध में उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए राज्य सरकार से कुछ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है और इस विषय पर सरकार के साथ चर्चा चल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि विशाखापत्तनम के लिए कई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पहले से संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि गोदावरी

नदी की सहायक नदियों पर कई पुलों का निर्माण आंशिक रूप से पूरा हो चुका है। नरसापुरमदृबेंगलुरु तथा तिरुपतिदृविशाखापत्तनम के बीच चलने वाली ट्रेनों को नियमित किया जा रहा है। इस संबंध में विजयवाड़ा और गुंटकल रेल मंडलों के साथ भी चर्चा की गई है।

संपादकीय

अंत में अब 'कॉकरोच' का लेबल!

सन् 2026 की 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच भारत में वह हुआ, जिसकी दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश ने कल्पना नहीं की। दुनिया के अखबारों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर 'कॉकरोच' की पहचान के साथ उभरा। कभी 'सांप-सपेरों के हिंदुस्तान' की इमेज थी। पर 1947 में स्वतंत्रता के बाद के दशकों में लोकतंत्र, भारत-निर्माण, आईटी, उभरती आर्थिकी, परमाणु ताकत, आईआईटी-आईआईएम सहित शिक्षा की बेहतरी तथा विशाल जनसंख्या के बाजार के नाते भारत प्रतिष्ठित हुआ। वह सब अब हाशिए में है और अब भारत 'कॉकरोच' है। भारत में मनुष्य, नवजात पीढ़ी 'कॉकरोच' है, जिस पर लाठियां, पैलेट गन की गोलियां बरसी। यह वैश्विक अजूबा है और तभी दुनिया के हर कोने में अखबारों के पहले पेज पर, बैनर हेडलाइंस, ब्रेकिंग न्यूज की तरह छपा। सवाल है, कौन दोषी, किसने कॉकरोच भारत बनाया है? क्या संघ परिवार और उसके प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नहीं? इसलिए 'कॉकरोच' फर्जी हिंदू राष्ट्र, फर्जी अमृतकाल का वह कलंक है, जिससे भले मोदी सरकार और भक्त हिंदू शर्मिंदा न हों, लेकिन विश्व मानव समाज अवश्य 145 करोड़ लोगों के भारत को जुगुप्सा, वितृष्णा से देख, समझ रहा है। सोचें, इक्कीसवीं सदी में दुनिया में आगे भारत अब क्या इमेज लिए है? एक ऐसा देश, जो स्वयं को 'विश्वगुरु', 'लोकतंत्र की जननी', 'विकसित भारत' और 'विश्वबंधु' बताता है, वहां 'कॉकरोच' है, 'कॉकरोच राजनीति' है, 'कॉकरोच आर्थिकी' है, आदि-आदि। मोदी ने, अमित शाह ने पहले भारत के नागरिकों के आगे अनागरिक होने की तलवार लटकाई। पश्चिम बंगाल के लाखों दस्तावेजयुक्त वैध मतदाताओं को अनागरिक बनाकर उन्हें मताधिकार से बाहर किया। इसे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट ने अपराध नहीं माना। फिर पूरे भारत के नागरिकों में ही मनुष्य को सर्वोच्च अदालत से 'कॉकरोच' परजीवी होने की तख्ती मिली! बावजूद इसके हिंदू राष्ट्र के भक्त हिंदुओं को शर्म नहीं आई, न ग्लानि हुई। इन हिंदुओं के हिंदू होने के डीएनए की सचमुच जांच होनी चाहिए। ये कौन से, क्या हिंदू हैं, इसका जवाब सनातन धर्म का शायद ही कोई ग्रंथ दे पाए। मैं हिंदू हूं, राष्ट्रवादी हूं और मुझे इतना सामान्य ज्ञान है कि सनातन धर्म में मानव जन्म को परम प्राप्ति कहा गया है। जन्म-जन्मांतर के विश्वासी हम सनातनियों का मूल सूत्र है कि मनुष्य, ईश्वर की सबसे बड़ी कृति है। भगवान ने (श्रीमद्भागवत पुराण 11.9.29) अपनी मायाशक्ति से वृक्ष, सरीसृप (सांप आदि), पशु, पक्षी, मच्छर, मछलियां आदि अनेक योनियां बनाई। परंतु उन्हें तब तक संतोष नहीं हुआ, जब तक उन्होंने मनुष्य शरीर की रचना नहीं की। और ईश्वर स्वयं मनुष्य शरीर में ब्रह्म (ईश्वर) को जानने और देखने की बुद्धि देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। ऐसा ही आदि शंकराचार्य का दिया सूत्र (विवेकचूड़ामणि, श्लोक 2) है कि समस्त प्राणियों में मनुष्य जन्म सबसे दुर्लभ है। मनुष्य होने के बाद पुरुषत्व, फिर वैदिक धर्म का मार्ग जानना, फिर विद्वान होना, और उसके बाद आत्मा-अनात्मा का विवेक प्राप्त करके ब्रह्म में स्थित होना, यह सब सौ करोड़ जन्मों के पुण्यों के बिना संभव नहीं है। तभी, जब मैंने चीफ जस्टिस का 'कॉकरोच' वाला वाक्य और बाद में उनकी सफाई सुनी, तो बतौर ब्राह्मण मुझे ग्लानि हुई कि हम आज के ब्राह्मण कैसे हैं! कितने अविवेकी, बुद्धिहीन हो गए हैं! देश की सर्वोच्च अदालत का चीफ जस्टिस मनुष्य पर 'कॉकरोच' का लेबल चस्पां कर रहा है! जाहिर है, चीफ जस्टिस का विवेक भी नरेंद्र मोदी नाम के कथित कल्कि अवतार के समय में ब्राह्मणों के विवेक, पुरुषत्व, ज्ञान और बुद्धि, सभी के पतन की बानगी है। सोचें, गंभीरता से सोचें कि चीफ जस्टिस के साथी जजों से लेकर सर्वज्ञ, अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार के मंत्रियों, संघ और हिंदू साधु-संतों में किसी के भीतर भी इस शब्द को बदलवाने, शब्द-वापसी, पछतावा, शर्म या खेद प्रकट कराने की बुद्धि या हिम्मत नहीं आई। जबकि आदि शंकराचार्य ने मनुष्य के पुरुषत्व (सत्यनिष्ठ निर्भयता), विद्वत्ता तथा आत्मा-अनात्मा के विवेक के माध्यम से ब्रह्म में स्थित होने तक की क्षमता में हर मनुष्य से मानवीय व्यवहार और संवेदना की अपेक्षा की है। जार्ज ऑरवेल का एक महान उपन्यास है, 'एनिमल फार्म'। इसमें मनुष्य की प्रवृत्तियों की वास्तविकताओं पर पशुओं के जंगल राज की कहानी है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे सुअर सत्ता हथिया लेते हैं और समानता के नाम पर नया अत्याचार खड़ा कर देते हैं। लेकिन ऑरवेल भी यह नहीं सोच सकते थे कि किसी लोकतंत्र में, मानव समाज में मनुष्यों की तुलना कीड़े-मकोड़ों, कॉकरोचों से होगी और शासन फिर इन कॉकरोचों को आंसू गैस के गोलों से खत्म करने के आदेश देगा। इसलिए मसला गहरा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक नागरिक को (भले वह परजीवी हो) 'कॉकरोच' करार देना नए भारत के वर्तमान और भविष्य की दशा-दिशा है। पिछले बारह वर्षों से सरकार ने नौजवानों (बहुसंख्य आबादी को ही) अवसरों से वंचित किया है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा। लोगों को सही शिक्षा, सही चिकित्सा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय उन्हे पैसा बांटकर, झांसा देकर परजीवी और आश्रित बनाया है। बेमतलब की डिग्रियां बांटी जा रही हैं। परीक्षाओं के नाम पर लूट है, झांसा है। स्वाभाविक है कि सामान्य छात्र हो या वकीलों तथा स्नातक-स्नातकोत्तर डिग्रियां लिए नौजवान, बेगारी का जीवन जीते हुए है। यूथ (जैसे सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील थे) भटकते-भटकते अन्याय और अवसरों की गुहार लगाता है, तो उसे क्या तमगा मिलता है? 'कॉकरोच' (परजीवी)! और फिर दुनिया के आगे 'कॉकरोच भारत'! याद करें पिछले बारह वर्षों के अनुभवों पर। मोदी सरकार ने लोगों को (उनकी देखा-देखी बाकी सरकारों और पूरी राजनीति ने भी) लाभार्थी, खैराती और परजीवी बनाने का मिशन चला रखा है, और फिर उनकी नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया। अंत में अब 'कॉकरोच' (क्योंकि परजीवी) का लेबल! बारह वर्षों में न नागरिकों को पुरुषार्थी और स्वाभिमानी बनाया, न ही उन्हें समान अवसर दिए, मगर उन्हें कॉकरोच बना दिया! पता है, दुनिया में 'कॉकरोच' शब्द नरसंहार का संदर्भ लिए हुए है। अफ्रीका के देश रवांडा में तुत्सी समुदाय को 'कॉकरोच' कहा गया था। फिर उन पर कहर बरपा और वह शब्द नरसंहार की राजनीति का भी प्रतीक बना। संयुक्त राष्ट्र तथा मानवाधिकार अध्ययनों में ऐसी भाषा को अमानवीकरण (अर्थात मनुष्य को मनुष्य न मानने वाली भाषा) के रूप में चिन्हित किया गया है। ऐसे ही हिटलर ने यहूदियों को मारने के लिए उन्हें 'चूहा' कहा था। और गुजरे सप्ताह हिंदू लड़के-लड़कियों पर जब पैलेट गन से छर्रे मारे गए, तभी भक्त चेहरों के ये वाक्य भी छपे थे कि देश से 'कॉकरोचों को खत्म करने का स्थायी इंतजाम' हो। या 'कॉकरोचों' के पीछे 'विदेशी ताकतें', 'खालिस्तानी संगठन', 'बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी की ताकतें', 'पाकिस्तान समर्थित ताकतें' और 'सोरोस फाउंडेशन' हैं'! क्या यह रवांडा के पागलों जैसी भाषा नहीं है? गंवार हिंदू राष्ट्रवादियों को इतनी भी समझ नहीं है कि राष्ट्रों की प्रतिष्ठा अर्थव्यवस्था, सेना या चुनावों से नहीं बनती; बल्कि प्राथमिक कसौटी यह है कि वहां की सरकार अपने सामान्य नागरिक के साथ कैसा व्यवहार करती है? दक्षिण अफ्रीका वर्षों तक रंगभेद से कलंकित रहा। ऐसे ही सैन्य दमन से म्यांमार की पहचान मानवता का कलंक थी और है। चीन और रूस भले महाशक्ति हों, लेकिन ये मनुष्यों पर तानाशाही की स्थायी पहचान वाले देश हैं। सोचें, नरेंद्र मोदी ने अपनी ब्रांडिंग के लिए विश्व की राजधानियों में जाकर क्या-क्या तमाशे नहीं किए? जी-20 सम्मेलन से लेकर 'भारत मंडपम', योग दिवस, प्रवासी भारतीय सम्मेलनों आदि पर बेहिसाब पैसा उड़ेला। बारह वर्षों से सरकार सिर्फ और सिर्फ प्रोपेगंडा मोड में है। लेकिन भारत की सरकार को, उसके नेता को यह पता नहीं है कि विज्ञापनों, भाषणों, मीडिया और प्रोपेगंडा से इमेज नहीं बनती। राष्ट्र स्तर पर वह उस सार्वजनिक व्यवहार से बनती है, जिसे दुनिया के अलग-अलग पैमाने और इंडेक्स समय-समय पर मानव समाज के सामने प्रस्तुत करते हैं। पर जो सरकार, जो प्रधानमंत्री, जो सुप्रीम कोर्ट या चुनाव आयोग अपने नागरिकों को स्वयं 'कॉकरोच' का चरित्र प्रमाणपत्र दे, उस राष्ट्र का क्या चरित्र प्रमाणपत्र होगा? क्या 'कॉकरोच' नहीं? हिंदू हो या मुसलमान, दलित हो या आदिवासी, उच्च वर्ग हो या मध्यवर्ग, सभी को मोदी सरकार ने परजीवी बनाकर, उन्हें संदिग्ध नागरिक, अवैध मान कतार में खड़ा कर दिया है, तो उस देश को क्या कहेंगे?

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक

विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी। सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद की आड़ में हिंदू धर्म का अपमान

विगत 31 जुलाई 2026 को राजनीतिक विरोध के अधिकार के नाम पर निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भगवा वस्त्र धारणकर संसद भवन के परिसर में नाटक खेला; राहुल, अखिलेश, डिंपल, अवधेश आदि ने उसमें विभिन्न भूमिकाएँ निभाई और अन्य विरोधी दलों के सांसदों ने हंसते हुए तालियां बजाकर इस नाटक का आनंद लिया। यह घटना हिंदू धर्म व सनातन प्रतीकों का अत्यंत निर्लज्ज अपमान है। इस नाटक के दौरान प्रभु श्रीराम लला का जो चित्र पप्पू यादव के हाथ में था उसे उन्होंने सपा सांसद अवधेश प्रसाद के जूतों के पास रखा और जमीन पर रगड़ा। यह सब तब किया गया जब राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच सुपीम कोर्ट की सलाह से बनाई गई एसआईटी कर रही है। समाजवादी पार्टी अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद को आधार बनाकर 2027 का विधानसभा चुनाव जीतने का सपना देख रही है और इस मामले को आगामी विधानसभा चुनावों तक खींचने का प्रयास कर रही है। संसद से सड़क तथा विधानसभा 'चढ़ावा चोर- गद्दी छोड़' का नारा लगाकर राजनीतिक बढ़त प्राप्त करने का असफल प्रयास कर रही है। आरम्भ में सपा का विरोध प्रदर्शन नियंत्रण में था किंतु बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और राहुल गांधी के साथ आते ही यह निर्लज्ज हिन्दू अपमान में बदल गया। हिंदू समाज सब कुछ स्वीकार कर सकता है किंतु भगवान राम व सनातन आस्था के प्रतीकों का इस प्रकार से अपमान वह स्वीकार नहीं करता और सही समय पर उत्तर देता है।

आश्चर्यजनक रूप से चढ़ावा चोरी की चिंता वो कर रहे हैं, जिनके लिए प्रभु राम काल्पनिक हैं, जिन्होंने 31 अक्टूबर तथा 2 नवम्बर 1990 को अयोध्या में निहत्थे रामभक्तों का नरसंहार किया था, जिनको अयोध्या में राम मंदिर की जगह अस्पताल, शौचालय या दोबारा बाबरी बनानी थी। वो लोग राम मंदिर के चढ़ावा चोरी विवाद पर राजनीति कर रहे हैं जिन्होंने रामजन्म भूमि विवाद के निर्णय को लटकाने से लेकर मंदिर के भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा तक तमाम प्रकार की बाधाएं उत्पन्न करी थीं, जिन्होंने अपने -अपने राज्य में रामभक्त जनमानस राम मंदिर का उद्घाटन न देख सकेइसलिए उस समय बिजली काट दी थी, जिन्होंने मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने के लिए राम मंदिर के उद्घाटन से दूरी बना ली थी और आज तक भगवान श्रीराम के चरणों में अपना शीष नहीं नवाया है। पिछले कुछ समय से मुस्लिम तुष्टिकरण में संलिप्त रहने वाले इंडी गठबंधन के नेताओं ने हिंदू समाज पर हमलों को तीव्र कर दिया है। इन दलों व नेताओं को यह स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि हिंदू सनातन व भगवा वस्त्र के अपमान पर खून का घूँट पी लेता है, सड़क पर उतार कर अराजकता नहीं करता किंतु उचित समय आने पर ऐसे लोगों को बाहर का रास्ता दिखा देता है। एक बार वामपंथी लेखक /नाटककार मुद्राराक्षस से गोस्वामी तुलसीदास का मजाक बनाया था उसके बाद मुद्राराक्षस साहित्यिक मंचों के अछूत पुरूष हो गये थे। महान चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन की पेटिंग्स करोड़ों में बिकती थी किंतु जब उन्होंने हिंदू देवी - देवताओं की नग्न व अश्लील पेंटिंग्स बनाई तो भागकर एक अरब देश की शरण में जाकर गुमनाम जीवन जीना पड़ा। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भगवा वस्त्र पहनकर देश भर के करोड़ों पुजारियों और संतों का घोर अपमान किया है। हमारे भगवाधारी आद्य ऋषियों से लेकर आज तक की समस्त भगवाधारी परंपरा का अपमान किया है। यही कारण है कि आज केवल संत समाज ही नहीं अपितु सपूर्ण हिंदू समाज आहत है। इस घटना से आहत व आक्रोशित संत समाज का कहना है कि इस प्रहसन से राहुल गांधी, पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद जैसे सांसदों की घटिया मानसिकता उजागर हुई है। जगदुरू परमहंस आचार्य कहा कि इन लोगों को ऐसी जगह दिखा देनी चाहिए जहाँ से वे कभी देश की सर्वोच्च पंचायत तक पहुँचने का सपना भी न देख सकें। संत समाज का कहना है कि संत समाज ने अभी तक गैर भाजपा दलों के प्रति उदारता दिखाई लेकिन अब यह सिद्ध हो गया है कि विपक्ष हमेशा सनातन संस्कृति को नुकसान पहुंचाता है। जिन सांसदों ने पप्पू यादव का सहयोग किया वो भी देश के लिए दुर्भाग्य हैं। संत समाज ऐसे सांसदों के संसद में प्रवेश प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहा है। यहां पर एक बड़ा सवाल यह भी खड़ा होता है कि क्या ये लोग पादरी या मौलाना की वेशभूषा धारण करके या क्रॉस, बुर्का आदि पहन करके अन्य धर्मों का मजाक बना सकते हैं ? नहीं कर सकते हैं। अगर किसी ने गलती से कभी कर भी दिया तो 'सिर तन से जुदा' हो सकता है। यह सभी दल मुस्लिम व अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के दलदल में इतना धंस चुके हैं कि शायद वापसी का रास्ता ही नहीं बचा है और उन सभी लोगों को प्रसन्न रखने के लिए इनको हिंदू सनातन समाज को अपमानित करने के लिए प्रहसन खेलते ही रहने होंगे। चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाते हुए यह लोग इतना बहक गये हैं कि समस्त मर्यादा ही भूल गये हैं। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने विरोध करते -करते ये पूछ लिया कि,' मोदी की सीता कौन हैं?' इस प्रश्न से वो किसका अपमान कर रहे थे? क्या हिंदुओं की सहिष्णुता को उनकी कमजोरी मानकर उनके प्रतीकों पर हमले किये जाते रहेंगे? आज सपा विधायक विधानसभा में सवाल पूछ रहे हैं कि चढ़ावा चोर कहां मिलेंगे, किंतु हिंदू समाज को वह बयान भी याद है जब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने 'अयोध्या दीपोत्सव' में दीपक जलाने का विरोध किया था और मजाक बनाते हुए कहा था कि दीपक नहीं मोमबत्ती जलानी चाहिए। भारत का हिंदू समाज हजारों वर्षों से अपनी आस्था,परंपरा और संस्कृति को लेकर जीता आया है। उसने बहुत कुछ सहा है फिर भी अपनी संस्कृति, परंपरा और आराध्यों के प्रति उसकी श्रद्धा अटूट बनी रही किन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि हर दिन उसकी सहनशीलता की परीक्षा ली जाए।

आज का राशि फल

मेष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि: आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

दक्षिण तटीय रेलवे ने दो माह में विकास, सुरक्षा और यात्री सेवाओं में बनाई नई पहचान

विशाखापट्टनम, पेन पॉवर 6 अगस्त। दक्षिण तटीय रेलवे (साउथ कोस्ट रेलवे–एससीओआर) ने 1 जून 2026 से अपने परिचालन की शुरुआत के बाद मात्र दो महीनों में आधारभूत संरचना, सुरक्षा, यात्री सुविधाओं तथा परिचालन दक्षता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर देश के उभरते रेलवे जोनों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यह जानकारी महाप्रबंधक संदीप माथुर ने जोन के दो माह के कार्य प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि नवगठित रेलवे जोन ने शून्य से अपनी प्रशासनिक एवं परिचालन व्यवस्था विकसित की है। वर्तमान में दक्षिण तटीय रेलवे के अंतर्गत चार मंडल, 3,532 रूट किलोमीटर तथा 6,455 ट्रैक किलोमीटर का नेटवर्क है। जोन का अनुमानित वार्षिक मूल राजस्व 15,500 करोड़ रुपये तथा माल ढुलाई क्षमता 100 मिलियन टन से अधिक है। महाप्रबंधक ने कहा कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। पिछले दो महीनों में वरिष्ठ अधिकारियों ने लगभग 1,700 रूट किलोमीटर का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों और चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की।

दक्षिण तटीय रेलवे वर्तमान में 5 नई रेल लाइन परियोजनाओं तथा 24 मल्टी–ट्रैकिंग परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है, जिनकी कुल लागत 54,479 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 70,865 करोड़ रुपये की नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं। सड़क एवं रेल यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए 300 से अधिक रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) भी निर्माणाधीन हैं। जोन को हाल ही में 300 करोड़ रुपये की विशाखापट्टनम यार्ड रीमॉडलिंग परियोजना, 1,205 करोड़ रुपये की गुंटकल्लु बल्लारी चौथी रेल लाइन परियोजना तथा तिरुपति में 20 करोड़ रुपये की भीड़ प्रबंधन सुविधाओं की स्वीकृति मिली है। इसके अलावा नरसापुरदुविजयवाड़ा और गुरुडाबल्लीदुविशाखापट्टनम सेक्शन में यार्ड रीमॉडलिंग, नेल्लोरदुतेलमांची सेक्शन में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग का विस्तार तथा लगभग 100 इंजनों में 'कवच' सुरक्षा प्रणाली स्थापित की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए रायनपाडु, मंगलगिरि और कंबम अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन किया गया है, जबकि 70 अन्य स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य जारी है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए चार ट्रेन–ऑन–डिमांड सेवाओं को नियमित ट्रेनों में बदला गया, 76 विशेष ट्रेनें चलाई गईं, 408 अतिरिक्त कोच लगाए गए तथा सिम्हाद्री एक्सप्रेस और गुंटूरदु विकाराबाद एक्सप्रेस को आधुनिक एलएचबी कोचों में परिवर्तित किया गया। विजयवाड़ा स्टेशन पर स्लीपिंग पॉड्स तथा विशाखापट्टनम स्टेशन पर 'डेक्कन चाय' प्रीमियम कैटरिंग सेवा भी शुरू की गई है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दो महीनों में 28 एनडीपीएस मामलों का खुलासा कर 2.37 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। साथ ही स्वच्छता अभियान चलाकर 5,152 नियम उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कार्रवाई की गई। परिचालन प्रदर्शन के क्षेत्र में दक्षिण तटीय रेलवे ने 671 करोड़ रुपये का यात्री राजस्व, 2,493 करोड़ रुपये की कुल मूल आय, 2.94 करोड़ यात्रियों का संचालन तथा 3 प्रतिशत वार्षिक यात्री वृद्धि दर्ज की है, जिससे यह देश के बेहतर प्रदर्शन करने वाले रेलवे जोनों में शामिल हो गया है।

महाप्रबंधक संदीप माथुर ने कहा कि दक्षिण तटीय रेलवे भविष्य में भी सुरक्षा, आधारभूत संरचना के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार और आधुनिक, ग्राहक–केंद्रित रेल सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए आंध्र प्रदेश तथा देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।

स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करना सर्वोच्च प्राथमिकताः कलेक्टर

काकीनाडा, 6 अगस्त (पेन पावर): काकीनाडा जिला कलेक्टर एम.एन. हरेंधिर प्रसाद ने एपीएमएसआईडीसी के इंजीनियरिंग अधिकारियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुरुवार को स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने लंबित सिविल कार्यों, नए भवनों, ड्रेनेज व्यवस्था, चहारदीवारी, सेप्टिक टैंक, शवगृह भवनों के निर्माण तथा आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की स्थापना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने नाबार्ड निधियों का प्रभावी उपयोग, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, ताकि जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

सीआरडीए भूमि पूलिंग के लिए किसानों को जागरूक करें: जिला कलेक्टर

गुंटूर, 6 अगस्त (पेन पावर): गुंटूर जिला कलेक्टर सी.एम. साईकांत वर्मा ने अधिकारियों को सीआरडीए भूमि पूलिंग योजना के दूसरे चरण के तहत किसानों को जागरूक करने और भूमि पूलिंग प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। गुरुवार को सीआरडीए कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि अधिसूचित भूमि का पूलिंग कार्य तभी किया जाए, जब राजस्व अभिलेखों और भूमि की वास्तविक स्थिति में पूर्ण समानता हो। कलेक्टर ने अधिकारियों से किसानों को भूमि पूलिंग के महत्व के बारे में जानकारी देने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से पूरा करने को कहा। बैठक में सीआरडीए के अतिरिक्त आयुक्त ए. भार्गव तेजा एवं कॉल्लाबत्तुला कार्तिक, संयुक्त कलेक्टर आशुतोष श्रीवास्तव, राजस्व मंडल अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर तथा संबंधित तहसीलदार उपस्थित थे।

जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं, किसानों को कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं: कलेक्टर

विजयवाड़ा, 6 अगस्त (पेन पावर): एनटीआर जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश ने कहा कि जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और किसानों को उर्वरक खरीदने के लिए कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। गुरुवार को नंदीगामा स्थित श्री मणिकंठा सीड्स एंड फर्टिलाइजर्स की दुकान का औचक निरीक्षण करते हुए उन्होंने उर्वरक वितरण व्यवस्था, मूल्य सूची, हेल्पलाइन विवरण तथा ।ह्मडे ऐप के माध्यम से किसानों के पंजीकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने किसानों से आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक लेने की अपील की और रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग न करने की सलाह दी। उन्होंने हरित खाद, फसल चक्र तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। बाद में उन्होंने राघवापुरम में जैविक खेती के खेतों का दौरा कर किसानों से खेती की पद्धतियों, उत्पादन और बाजार की संभावनाओं पर चर्चा की तथा प्राकृतिक खेती को अधिक व्यापक रूप से अपनाने का आह्वान किया।

किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः कलेक्टर

काकीनाडा, 6 अगस्त (पेन पावर): काकीनाडा जिला कलेक्टर एम.एन. हरेंधिर प्रसाद ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 'रैतन्ना मी कोसम' कार्यक्रम को 7 अगस्त से किसान सेवा केंद्र (आरएसके) समितियों के माध्यम से प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुरुवार को कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, सिंचाई व्यवस्था और क्षेत्रीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने समय पर सिंचाई जल उपलब्ध कराने, शत–प्रतिशत ई–क्रॉप पंजीकरण पूरा करने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ सभी पात्र किसानों तक पहुंचाने, ड्रिप सिंचाई और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा उर्वरकों के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी कार्यक्रमों को भी सुदृढ़ करने तथा सभी पात्र किसानों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

जनजातीय कल्याण के लिए सभी विभागों में समन्वय जरूरीः एसटी आयोग अध्यक्ष

पाडेरु, 6 अगस्त (पेन पावर): आंध्र प्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति (एसटी) आयोग के अध्यक्ष सोल्ला बोज्जी रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि सरकार की कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं का लाभ प्रत्येक जनजातीय परिवार तक पहुंचे। गुरुवार को पाडेरु कलेक्टरेट में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने जनजातीय कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं तथा आंगनवाड़ी सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने जनजातीय भूमि एवं वन अधिकारों से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान करने, लंबित आवासों को पूरा करने, दूरदराज के गांवों में पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाने तथा एसटी आयोग के दौरे के दौरान संबंधित अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हर छात्र को मध्याह्न भोजन अवश्य करना चाहिए: जिला कलेक्टर

विजयवाड़ा, 6 अगस्त (पेन पावर): एनटीआर जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश ने कहा कि सरकार की डोक्का सीतम्मा मध्याह्न भोजन योजना के तहत उपलब्ध कराया जा रहा पौष्टिक भोजन प्रत्येक छात्र को विद्यालय में अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ–साथ उनकी शैक्षणिक प्रगति के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। गुरुवार को नंदीगामा स्थित जिला परिषद हाई स्कूल के औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मध्याह्न भोजन योजना के क्रियान्वयन, भोजन की गुणवत्ता, रसोई की स्वच्छता, खाद्य सामग्री के भंडारण तथा अभिलेखों की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए और विशेष रूप से छात्राओं सहित सभी विद्यार्थियों से विद्यालय में ही मध्याह्न भोजन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरकारी विद्यालयों में आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर प्रत्येक छात्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य कर रही है।

आदित्य विश्वविद्यालय के मेगा रक्तदान शिविर में 911 यूनिट रक्त संग्रहित

गंडेपल्ली, 6 अगस्त (पेन पावर): आदित्य विश्वविद्यालय, सूरमपालेम में आयोजित मेगा रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें 911 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। डिप्टी प्रो–चांसलर डॉ. मेदापति श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि शिविर का उद्घाटन प्रो–चांसलर डॉ. नल्लामिल्ली सतीश रेड्डी ने किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वर्ष 2005 से प्रत्येक वर्ष जनवरी और अगस्त में नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित कर सरकारी एवं निजी ब्लड बैंकों को रक्त उपलब्ध करा रहा है। इस शिविर में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। काकीनाडा, राजमहेंद्रवरम, रामचोडवरम, पेद्दापुरम सहित विभिन्न सरकारी अस्पतालों, इंडियन रेड क्रॉस, रोटरी तथा कई निजी ब्लड बैंकों ने सहयोग किया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं की सराहना करते हुए इसे मानव सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान बताया।

विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: संयुक्त कलेक्टर

पाडेरु, 6 अगस्त (पेन पावर): अल्लूरी सीताराम राजू जिला संयुक्त कलेक्टर तिरुमनी श्रीपूजा, आईएएस ने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों को सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में देरी या लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुरुवार को विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सड़कों तथा पेयजल परियोजनाओं की प्रगति पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए टूर डायरी अनिवार्य करते हुए निरीक्षण, समस्याओं और उनके समाधान का नियमित रिकॉर्ड रखने तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही, ठेकेदारों के कारण होने वाली देरी पर सख्त कार्रवाई करने और सभी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

विकसित भारतदृ 2047 के लक्ष्य में हथकरघा क्षेत्र की अहम भूमिकाः केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

विजयवाड़ा, 6 अगस्त (पेन पावर): केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि विकसित भारतदृ2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में हथकरघा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर जारी संदेश में उन्होंने कहा कि भारतीय हथकरघा केवल देश की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक ही नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार भी है। उन्होंने बताया कि देश में 35 लाख से अधिक बुनकर एवं संबद्ध कारीगर इस क्षेत्र पर निर्भर हैं, जिनमें 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। केंद्र सरकार ने हथकरघा क्लस्टर, आधुनिक करघे, कौशल विकास, जीआई–टैग उत्पाद, हैंडलूम मार्क और बेहतर बाजार संपर्क जैसी योजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए भारतीय हथकरघा उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई जाएगी तथा लोगों से हथकरघा उत्पाद खरीदकर बुनकरों का समर्थन करने की अपील की।

मॉडलिंग क्या होती है, ये भी नहीं जानती थीं तनुश्री चक्रवर्ती, फिर बनीं बंगाली सिनेमा की पहचान

फिल्मों की दुनिया में कई सितारों का सफर किसी प्लानिंग के तहत शुरू नहीं होता। कुछ लोग अचानक मिले मौके को अपनी मेहनत से बड़ी पहचान में बदल देते हैं। बंगाली सिनेमा की अभिनेत्री तनुश्री चक्रवर्ती की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। आज वह अपनी खूबसूरती, अभिनय और अलग अंदाज के लिए जानी जाती हैं, लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि जब उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा था, तब उन्हें इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। एक मामूली शुरुआत से तनुश्री ने धीरे-धीरे विज्ञापनों, फिल्मों और फिर राजनीति तक का सफर तय किया। तनुश्री चक्रवर्ती का जन्म 6 अगस्त 1984 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई कोलकाता से की। इसके बाद उन्होंने कोलकाता यूनिवर्सिटी से जुड़े बसंती देवी कॉलेज से पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा, लेकिन शुरुआत में उन्हें नहीं पता था कि मॉडलिंग क्या होती है।

तनुश्री ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्होंने मॉडलिंग शुरू की, तब उन्हें नहीं पता था कि मॉडलिंग में काम कैसे होता है और इस क्षेत्र की असली दुनिया कैसी है। धीरे-धीरे उन्होंने इस काम को समझा और कई विज्ञापनों में नजर आने लगीं। उनका एक बांग्लादेशी मसाला ब्रांड का विज्ञापन काफी लोकप्रिय हुआ, जिसने उन्हें अलग पहचान दिलाई। यही छोटा सा कदम आगे चलकर उनके फिल्मी करियर की शुरुआत बना।

मॉडलिंग के बाद तनुश्री ने बंगाली फिल्मों में कदम रखा। साल 2010 में फिल्म 'बोंधु एसो तुमी' से उन्होंने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद साल 2011 में आई फिल्म 'उरो चिट्ठी' ने उन्हें दर्शकों के बीच पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बंगाली सिनेमा की कई चर्चित फिल्मों में काम किया।

साल 2012 में आई 'बेडरूम' उनके करियर की अहम फिल्मों में से एक रही। इसके बाद उन्होंने 'ओबिशोप्टो नाइटी', 'विंडो कनेक्शन्स', 'बुनो हांश' और 'खाद' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। उनकी एक्टिंग को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों ने काफी पसंद किया। उन्होंने सिर्फ ग्लैमरस भूमिकाएं ही नहीं कीं, बल्कि अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी अभिनय क्षमता भी दिखाई।

तनुश्री चक्रवर्ती ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी की दुनिया में भी काम किया। वह जी बांग्ला के लोकप्रिय शो 'दीदी नंबर. 1' में नजर आईं और बाद में कई टीवी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। उन्होंने ब्यूटी और लाइफस्टाइल शो 'संपूर्ण' की होस्टिंग भी की। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता में अपने रेस्टोरेंट बिजनेस की शुरुआत भी की।

साल 2021 में तनुश्री ने राजनीति में भी कदम रखा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ज्वाइन की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में श्यामपुर सीट से चुनाव लड़ा। हालांकि, वह चुनाव नहीं जीत पाईं। बाद में उन्होंने राजनीति से दूरी बनाते हुए अपने फिल्मी करियर पर ध्यान देने का फैसला किया।

शालिनी पांडे ने उठायी मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने के खिलाफ आवाज़

मुंबई अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को कथित तौर पर हटाए जाने के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की है। सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने लोगों से इस मामले में आगे आने और संबंधित याचिका का समर्थन करने की अपील की है।

शालिनी ने अपनी पोस्ट में बताया है कि सैकड़ों कुत्ते वर्षों से रेलवे स्टेशनों के आसपास इंसानों के साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं और अब उनके बसेरे छिनने का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को जानवरों के प्रति क्रूरता बताते हुए लोगों से याचिका पर हस्ताक्षर करने और उनके समर्थन में आवाज उठाने का आग्रह किया है।

अपनी पोस्ट में अभिनेत्री ने एक पशु कल्याण पहल से जुड़े संगठन को टैग करते हुए लोगों को याचिका तक पहुंचने का रास्ता भी बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल इस मुद्दे को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और पशु कल्याण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए किया है।

गौरतलब है कि शालिनी पांडे का यह कदम शहरी क्षेत्रों में इंसानों और जानवरों के बीच जिम्मेदार और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए उनके प्रति भावनात्मक रवैया अपनाने की याद भी दिला रहा है। फिलहाल उनके इस संदेश का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और बेघर होने के खतरे का सामना कर रहे इन आवारा कुत्तों के संरक्षण के लिए आगे आने के लिए प्रेरित करना है। इस अपील के साथ शालिनी पांडे ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग पशु कल्याण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर करने और अपने प्रशंसकों से इस नेक पहल में अपनी आवाज जोड़ने का आग्रह किया है।

'गजनी' फेम अभिनेता प्रदीप रावत का 74 वर्ष की आयु में निधन, सेलेब्स ने किया याद

फिल्म 'गजनी' फेम अभिनेता प्रदीप रावत का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बुधवार दोपहर एक्टर का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। अभिनेता यशपाल शर्मा समेत जेनेलिया देशमुख ने भी उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से श्रद्धांजलि दी।

यशपाल शर्मा ने जताया दुख

अभिनेता यशपाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर यह दुखद खबर साझा की थी। यशपाल शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट साझा कर लिखा है, 'प्रदीप रावत, हमारे गजनी। 'लगान' के देवा को विनम्र श्रद्धांजलि'। बता दें कि फिल्म 'लगान' में प्रदीप रावत ने देवा सिंह सोढी का किरदार निभाया था।

जेनेलिया ने याद किया प्रदीप का किरदार

एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख ने प्रदीप रावत को सोशल मीडिया के जरिए याद किया। उन्होंने लिखा, ' फिल्म 'सई' में आपके अभिनय के लिए हम आपको हमेशा याद करेंगे। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म से प्रदीप की फोटो को शेयर किया। बताते चलें इस फिल्म में जेनेलिया ने मुख्य किरदार निभाया था।

अभिनेता ठाकुर अनूप सिंह ने किया प्रदीप को याद

मराठी फिल्म 'धर्मरक्षक महावीर छत्रपति संभाजी महाराज' के अभिनेता ठाकुर अनूप सिंह ने भी दिवंगत प्रदीप रावत के याद कर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। एक्टर ने लिखा, 'एक महान कलाकार के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। 1990 में बचपन में आपको अश्वत्थामा का किरदार निभाते देखने से लेकर, गजनी के रूप देखने तक, और फिल्म अचारी अमेरिका यात्रा में आपके बेटे या धर्मरक्षक छ. संभाजी महाराज में आपके दुश्मन का किरदार निभाने तक, कैमरे के पीछे आप हमेशा मेरे लिए मार्गदर्शक और जीवन की चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा रहे हैं। जो लोग आपको जानते हैं, वे जानते हैं कि आपका सफर कितना लंबा रहा है, और मैं हमेशा आपसे जुड़ी यादों और सीखों को संजो कर रखूंगा।'

अजय देवगन और तनिषा मुखर्जी ने काजोल के जन्मदिन पर शेयर किए फनी मूमेंट्स

अभिनेत्री काजोल देवगन बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनके परिवार के सदस्यों अजय देवगन और बहन तनिषा मुखर्जी ने सोशल मीडिया के जरिए जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेता अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर काजोल के साथ वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में काजोल के हंसी वाले मूमेंट शामिल हैं। अभिनेता ने इस वीडियो के जरिए काजोल के लिए लिखा, पता चला कि मेरे सबसे अच्छे जोक्स को इतने सालों से वही ऑडियंस मिली है। हैप्पी बर्थडे, काजोल। अभिनेत्री काजोल की छोटी बहन तनिषा मुखर्जी ने भी जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर काजोल के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों फनी मूमेंट्स शेयर करती दिख रही हैं। तनिषा ने अपनी बहन के लिए लिखा, मेरी प्यारी कैडी (काजोल), तुम जिंदगी भर हंसती रहो। जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं मेरी प्यारी बहन। ढेर सारा प्यार।

अभिनेत्री की बात करें, तो कला उन्हें विरासत में मिली थी। दरअसल, अभिनेत्री की मां तनुजा बीते जमाने जानी-मानी अभिनेत्री थीं और पिता शोमू मुखर्जी एक जाने-माने फिल्म निर्माता और निर्देशक थे।

1992 से फिल्म 'बेखुदी' से करियर की शुरुआत करने के बाद, अभिनेत्री को 1993 की थ्रिलर फिल्म 'बाजीगर' से पहचान

मिली थी। उन्होंने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', और 'कभी खुशी कभी गम' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया। उन्हें छह बार फिल्मफेयर पुरस्कार और 2011 में पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है।

साल 1995 में फिल्म 'हलचल' के सेट पर काजोल और अजय देवगन की प्रेम कहानी की शुरुआत हुई। पहले दोस्ती और फिर प्यार परवान चढ़ा और लगभग चार साल डेटिंग के बाद, दोनों ने 24 फरवरी 1999 को मुंबई में अजय देवगन के आवास पर बहुत ही सादगी और निजी तरीके से शादी कर ली। आज उनके दो बच्चे, बेटी न्यासा और बेटा युग हैं।

शादी के कुछ सालों के बाद ब्रेक लेने के बाद, अभिनेत्री ने 2006 में फिल्म 'फना' से शानदार वापसी की और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। 2010 में, 'माई नेम इज खान' में बेहतरीन अभिनय किया। 2023 में, वेब सीरीज 'द ट्रायल' के जरिए डिजिटल स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रखा।

कभी सूर्या से तीन गुना ज्यादा पैसे कमाती थीं ज्योतिका अभिनेता की कौन सी बात ने जीता दिल

ज्योतिका और सूर्या ने पहली बार एक फिल्म 'पूवेल्लम केत्तुप्पर' में साथ अभिनय किया। इस फिल्म के सेट पर ही दोनों की पहली मुलाकात हुई। इसी फिल्म के सेट पर दोनों के बीच दोस्ती हुई। धीरे-धीरे इनकी दोस्ती गहरी होती चली गई। आगे चलकर फिल्म 'काखा काखा' के निर्देशक को ज्योतिका ने सूर्या का नाम सुझाया। इस तरह इस फिल्म में दोनों ने साथ एक्टिंग की। फिल्म 'काखा काखा' के दौरान दोनों ने डेटिंग भी शुरू की।

कुछ साल तक डेट करने के बाद सूर्या और ज्योतिका ने 11 सितंबर 2006 को शादी कर ली। इस पावर कपल के दो बच्चे हैं, एक बेटा और एक बेटी। ज्योतिका ने करियर के मुश्किल वक्त में सूर्या का साथ दिया और हौसला बढ़ाया है। हाल ही में अपने

करियर और शादी-शुदा जीवन को लेकर ज्योतिका ने कई बातें साझा की हैं।

फीस में आए बदलाव पर क्या बोलीं ज्योतिका?

हालिया बातचीत में ज्योतिका कहती हैं, 'करियर के शुरुआती दौर में एक वक्त ऐसा था, जब मुझे सूर्या से तीन गुना ज्यादा पैसे मिलते थे।' फिर वह आगे हंसते हुए कहती हैं, 'अब 30 गुना कम पैसे मिलते हैं।' इस बात पर साथ बैठे अभिनेता और उनके पति सूर्या की हंसी छूट गई।

ज्योतिका को सूर्या की कौन सी खूबी पसंद आती है?

आगे अपने इंटरव्यू में ज्योतिका बताती हैं कि उन्हें सूर्या की कौन सी बात सबसे ज्यादा पंसद है। वह कहती हैं, 'आपको अपने साथ रहने वाली महिला की भावनाओं को समझना होगा। अगर वह खाना नहीं बनाना चाहती, तो न बनाए। ऐसी बातें तो हमने सुनी ही हैं, है ना? मैं यहां फेमिनिस्ट बनने की कोशिश नहीं कर रही हूं। लेकिन घर में हम दोनों बराबर हैं।'

वह आगे कहती हैं, 'यह बात किसी पुरुष के मन में गहराई से बसी सच्ची भावना से ही आती है। सूर्या में यह खूबी है। अगर मैं कभी खाना बनाती हूं तो वह किचेन में आकर मेरे साथ खाना बनाते हैं। हम हर काम साथ मिलकर करते हैं।' ज्योतिका ने यह भी बताया कि इसी तरह कई कामों में सूर्या उनकी मदद करते हैं।

शादी से पहले बच्चा गोद लेना चाहती हैं आम्रपाली दुबे, बचपन की ख्वाहिश का किया जिक्र

एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर निरहुआ दोनों ही इन दिनों रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में दिखाई दे रहे हैं। इसी शो के दौरान एक्ट्रेस ने मां बनने की इच्छा जताई। आम्रपाली जब अपनी इस इच्छा का इजहार कर रही थीं तब वहां एक्टर निरहुआ भी मौजूद थे। जानें क्यों शादी के पहले मां बनना चाहती हैं एक्ट्रेस

आम्रपाली दुबे ने बताई अपनी इच्छा

हाल ही में भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के दूसरे एपिसोड में निरहुआ के साथ थीं। इसी दौरान उन्होंने अपनी जल्द से जल्द मां बनने की इच्छा जताई। उन्होंने निरहुआ से बताया कि वह एक बेटी गोद लेना चाहती हैं। यह सुन कर निरहुआ कुछ हैरान से हो गए। उन्होंने एक्ट्रेस से पूछा कि उनके मन में यह बात कहां से आई। इसपर आम्रपाली ने कहा कि वह हमेशा से यह चाहती थीं।

मुझे एहसास हुआ मैं यही चाहती हूं

आम्रपाली दुबे ने निरहुआ को अपनी बात समझाते हुए कहा, 'ये एक दिन की बात नहीं है। मैं बहुत पहले से चाहती हूं।. मेरी फैमिली में कजिन्स के जितने भी बच्चे हैं उन्हें देखकर मुझे मां बनने की फीलिंग आती है। मैं बच्चों के सारे काम कर सकती हूं। 'पहले मुझे लगता था ये सिर्फ फीलिंग्स है। लेकिन फिर एहसास हुआ कि मैं ऐसा चाहती हूं। मेरे अंदर जो ममता है, उसे कोई बच्चा डिजर्व करता है।

निरहुआ ने कहा आसान नहीं होगा निर्णय

आम्रपाली की पूरी बात सुनने के बाद निरहुआ ने उन्हें कहा, एक बात सोच लेना ये आसान नहीं होगा। हम लोगों के भी बच्चे हैं। हम लोग काम पर इसलिए फोकस कर पाते हैं, क्योंकि हमारे बच्चों को संभालने के लिए घर में कोई है।तुम एक भोजपुरी एक्ट्रेस हो सफल हो। काम के साथ बच्चे पर ध्यान कैसे रखोगी।'इसपर एक्ट्रेस ने कहा कि बच्चे के आने के बाद वह चुनिंदा काम ही लेंगी। इसके साथ ही वह अपने परिवार की मदद वह बच्चे की परवरिश में परिवार का सहयोग लेगीं।

निकिता रावल ने उठाए रणबीर के 'राम' बनने पर सवाल

बीफ बयान पर बोलीं- 'लोगों की भावनाओं के साथ खेला है'

अभिनेता रणबीर कपूर, नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' में राम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म दिवाली 2026 पर रिलीज होने जा रही है पर इससे पहले ही रणबीर का नाम चर्चा में हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स रणबीर को उनके एक पुराने बयान पर ट्रोल कर रहे हैं। वहीं अभिनेत्री निकिता रावल ने भी भगवान राम जैसे आदर्श व्यक्तित्व के रोल में रणबीर कपूर की कास्टिंग को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

एक्ट्रेस ने कहा- बॉयकॉट होना चाहिए

एक्ट्रेस निकिता रावल ने मामले पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म 'रामायण' में राम के किरदार के लिए अभिनेता रणबीर कपूर सही विकल्प नहीं हैं क्योंकि उन्होंने एक पुराने इंटरव्यू में बीफ खाने की बात स्वीकारी थी।

एक इंटरव्यू में निकिता बोलीं, 'उन्होंने लाखों लोगों को भावनाओं

के साथ खेला है। सीधा बोल रहे हैं कि मैं बीफ खाता हूं। फिर वही श्री राम का किरदार निभा रहे हैं। वो क्या मैसेज देंगे, मुझे लगता है कि उनका बॉयकॉट होना चाहिए। मैं ये #boycottranbirkapoor चलाती रहूंगी।'

'अपने पुराने बयान पर मांफी मांगें'

अपनी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए निकिता ने कहा, 'अगर रणबीर को लगता है कि उनसे गलती हुई है। इस किरदार को निभाने के पहले उन्होंने लोगों को बीफ वाले बयान से जो दुख पहुंचाया है उसके लिए मांफी मांगें। कह दें कि गलती हुई है। हम सभी में माफ कर देने की भावना है। यह भारत है, यहां लोगों को माफ कर दिया जाता है।'

क्या कहा था रणबीर ने?

बता दें कि अभिनेता रणबीर कपूर ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें बीफ खाना पसंद है। उनका यह वीडियो बीते कई वर्षों से वायरल है। मगर एक्टर के राम का किरदार निभाने के बाद एक बार फिर इस बयान का विरोध किया जाने लगा। फिलहाल रणबीर ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। उनकी तरफ से मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'रामायण' के बारे में

फिल्म 'रामायण' मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। रणबीर कपूर इसमें भगवान राम की भूमिका अदा कर रहे हैं, वहीं साई पल्लवी को माता सीता के रोल में देखा जाएगा।

यश रावण का किरदार निभाते दिखेंगे और सनी देओल प्रभु हनुमान की भूमिका में होंगे।

फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, कुणाल कपूर, लारा दत्ता, अरुण गोविल और शीबा चड्ढा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। दो हिस्सों में रिलीज होने वाली इस फिल्म का पहला भाग इस साल दिवाली पर रिलीज होगा।

मल्लिका शेरावत के साथ नजर आए तेज प्रताप यादव

बिहार की राजनीति में अपने अलग अंदाज और बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव इन दिनों मनोरंजन जगत में अपनी मौजूदगी को लेकर लगातार चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के जरिए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और अब एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर उन्होंने फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस वीडियो में तेज प्रताप बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों को एक साथ देखकर इंटरनेट पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

दरअसल, तेज प्रताप यादव ने अपने आधिकारिक एक्स टाइमलाइन पर यह वीडियो साझा किया है। वीडियो में वह अभिनेत्री मल्लिका शेरावत के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। दोनों के बीच बातचीत होती नजर आ रही है। वीडियो में तेज प्रताप अपने मोबाइल फोन में मल्लिका शेरावत को कुछ दिखा रहे हैं, वहीं

मल्लिका भी पूरे ध्यान से मोबाइल की ओर देखती हैं और बीच-बीच में तेज प्रताप से बातचीत करती दिखाई देती हैं।

इस वीडियो को और खास बनाने के लिए इसके बैकग्राउंड में फिल्म 'धुरंधर' का रोमांटिक गाना 'गहरा हुआ' लगाया गया है। गाने के साथ तैयार किया गया यह छोटा वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है।

तेज प्रताप यादव ने वीडियो के साथ यह जानकारी साझा नहीं की है कि उनकी और मल्लिका शेरावत की यह मुलाकात कब और किस मौके पर हुई, लेकिन उन्होंने कैप्शन के जरिए कुछ दिलचस्प सा संकेत जरूर दिया है।

उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "जल्द ही कुछ रोमांचक आने वाला है"

वीडियो के सामने आने के बाद कई लोग इसे किसी शूटिंग या कार्यक्रम के दौरान हुई मुलाकात मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे 'भोजपुरी बवाल' से जोड़कर भी देख रहे हैं।

दरअसल, तेज प्रताप यादव ने रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में हिस्सा लिया है। शो के एक एपिसोड में उन्होंने भोजपुरी फिल्म उद्योग पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों में पहले अच्छी और पारिवारिक कहानियां देखने को मिलती थीं, लेकिन अब उनमें अश्लीलता बढ़ गई है। उन्होंने इच्छा जताई थी कि अगर उन्हें कभी मौका मिला तो वह भोजपुरी सिनेमा को उसकी पुरानी पहचान दिलाने की कोशिश करेंगे।

'भोजपुरी बवाल' में तेज प्रताप यादव के साथ भोजपुरी सिनेमा के कई बड़े सितारे भी नजर आ रहे हैं। इनमें पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', आम्रपाली दुबे और काजल राघवानी जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com